



॥ श्री गायत्री माता भजन ॥
॥ मङ्गल करनिं गायत्री सुखधाम ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गायत्री माता भजन ॥

(मुखड़ा)

जय-जय गायत्री माता, वेदमाता दयामयी।
ज्ञान की ज्योति जलाओ, कर दो कृपा अमृतमयी॥

१.

तेरे चरणों में शीश झुकाएँ,
मन के सारे दोष मिटाएँ।
भक्ति का वरदान दिलाओ,
माँ! जीवन को सफल बनाओ॥
जय-जय गायत्री माता...

२.

अज्ञान तम सब दूर भगाओ,
सद्बुद्धि का दीप जलाओ।
सत्य-धर्म का पथ दिखलाओ,
हर मन में विश्वास जगाओ॥
जय-जय गायत्री माता...

३.

करुणामयी, कल्याणमयी,
सुख-शांति की तुम हो धनी।
दीन-दुखी पर कृपा बरसाओ,
अपने चरणों में बसाओ॥
जय-जय गायत्री माता...

४.

वेदों की तुम दिव्य वाणी,
ऋषियों की हो परम कल्याणी।
ज्ञान, विवेक और प्रेम बढ़ाओ,
जीवन को उजियारा बनाओ॥
जय-जय गायत्री माता...

५.

घर-घर तेरी ज्योति जले,
हर मन में श्रद्धा पल-पल फले।
मंगलमय संसार बनाओ,
सद्भाव का संदेश सुनाओ॥
जय-जय गायत्री माता...

६.

गायत्री मंत्र की महिमा न्यारी,
भक्ति से भर दे झोली हमारी।
तन-मन पावन, चित्त उजाला,
मिट जाए जीवन का अँधियाला॥
जय-जय गायत्री माता...

समापन

हे वेदमाता! कृपा बरसाओ,
भक्तों को अपना स्नेह दिलाओ।
ज्ञान, भक्ति और शक्ति देना,
सदा हृदय में अपना डेरा॥
जय-जय गायत्री माता, वेदमाता दयामयी।
ज्ञान की ज्योति जलाओ, कर दो कृपा अमृतमयी॥

FLORA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR